an>

Title: Need to take steps to hike the minimum support price of paddy in the country.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद) : महोदया, मैं मध्य प्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों में, जहाँ इस वर्ष किसानों ने धान का बहुत अच्छा उत्पादन किया है, उसके मूल्य के ऊपर मैं अपनी चिन्ता सदन के सामने आपके माध्यम से रखना चाहता हूँ।

महोदया, किसानों ने दिन-रात मेहनत करके इस वर्ष धान की अच्छी फसल का उत्पादन किया है। दुर्भाग्य से पिछली सरकार की आयात-निर्यात नीति में विसंगति के चलते इस वर्ष धान उत्पादक किसानों को धान का जो मूल्य मिलना चाहिए था, वह उन्हें नहीं मिल रहा है। 1200 से 1400-1500 रूपये प्रति क्विंटल का मूल्य किसानों का मिल रहा है, जो उनकी लागत के हिसाब से बहुत ही कम है। किसान को खाद, दवा, पानी, मजदूरी, डीजल, बिजली आदि चीजों पर पैसा खर्च करना पड़ता है और प्रति एकड़ कम से कम 3,000 रूपये प्रति क्विंटल की लागत किसान की आती है। अब अगर 1200 या 1400 रूपये में किसान अपना उत्पाद बेचेगा तो उसकी लागत भी नहीं निकलेगी और किसान घाटे में चला जाएगा।

मेरा आपसे अनुरोध है कि भारत सरकार इस सम्बन्ध में दोबारा से इस पर पुनर्विचार करे। मेरे होशंगाबाद, नरसिंहपुर, रायसेन संसदीय क्षेत्र के साथ-साथ मध्य प्रदेश के अनेक हिस्से, हमारा छत्तीसगढ़ है, जिसे धान का कटोरा माना जाता है। धान उत्पादक किसान पूरी तरह से धान पर निर्भर है। मेरा आपसे अनुरोध है कि धान का समर्थन मूल्य कम से कम 3800 से 4000 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित होना चाहिए। जिससे किसान की जो 20-22 क्विंटल एकड़ पर उसकी धान निकलती है, उसे अपने उत्पाद का समुचित मूल्य मिल सके।

मैं एक और अनुरोध करना चाहता हूँ कि जो समर्थन मूल्य अनाज उत्पाद का इस देश में लागू होता है, स्थानीय मंडियों में उस मूल्य के ऊपर माल बेचा जाए, इसकी बाध्यता व्यापारी और प्रशासन पर होनी चाहिए। चूँकि अगर समर्थन मूल्य तीन हजार रूपए है तो माल दो हजार रूपए में बिकता है। यह उचित नहीं है। किसान को उसका लाभ नहीं मिल पाता है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूँगा कि समर्थन मूल्य का पालन हो और हमारे धान के किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिले। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री गणेश सिंह (सतना) : महोदया, मैं इनके साथ असोसिएट करना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : जी, आप नाम लिखकर भिजवा दीजिए तो हो जायेगा।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार,

श्री लखन लाल साहू और

श्री सुशील कुमार सिंह अपने आपको श्री उदय प्रताप सिंह जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।